5 हिन्द देश के निवासी

विविधता में एकता हमारे देश की विशेषता है। साथ ही विकास और ताकत की परिवाचक भी है। मानवीय एवं प्राकृतिक दोनों प्रकार की विविधताएँ होने पर भी उसमें अभिन्न एकसूत्रता है। विभिन्न दृष्टांतों द्वारा इस काव्य में भव्यता एवं दिव्यता का गान किया गया है।

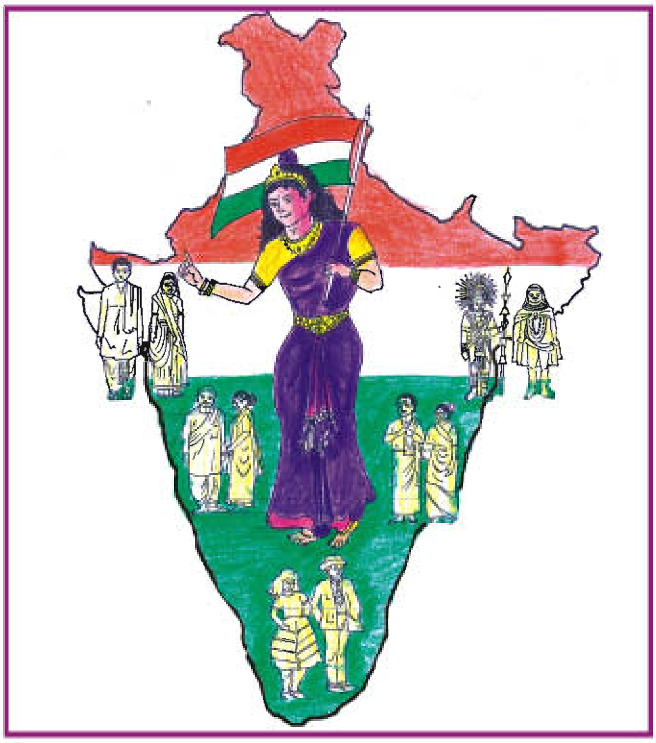

हिन्द देश के निवासी सभी जन एक हैं,
रंग, रूप, वेश, भाषा चाहे अनेक हैं।
बेला, गुलाब, जूही, चंपा, चमेली,
प्यारे-प्यारे फूल गूँथे, माला में एक हैं।
कोयल की कूक न्यारी, पपीहे की टेर प्यारी,
गा रही तराना बुलबुल, राग मगर एक है।

गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र, कृष्णा, कावेरी
जाके मिल गई सागर में हुई सब एक हैं।
धर्म हैं अनेक जिनका, सार वही है,
पंथ हैं निराले, सबकी मंजिल तो एक है।

शब्दार्थ

कूक कोयल की आवाज़ **पपीहा** एक पक्षी का नाम **टेर** पपीहे की पुकार **तराना** गीत **पंथ** रास्ता **निराला** अनूठा **मंज़िल** ध्येय

अभ्यास

1. प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) हमारे देश की क्या विशेषता है ?

(2) सभी नदियाँ कब एक होती हैं ?

(3) सभी धर्मों का सार क्या है ?

2. (अ) शब्द पँखुडियों को उचित क्रम में रखकर वाक्य बनाइए :

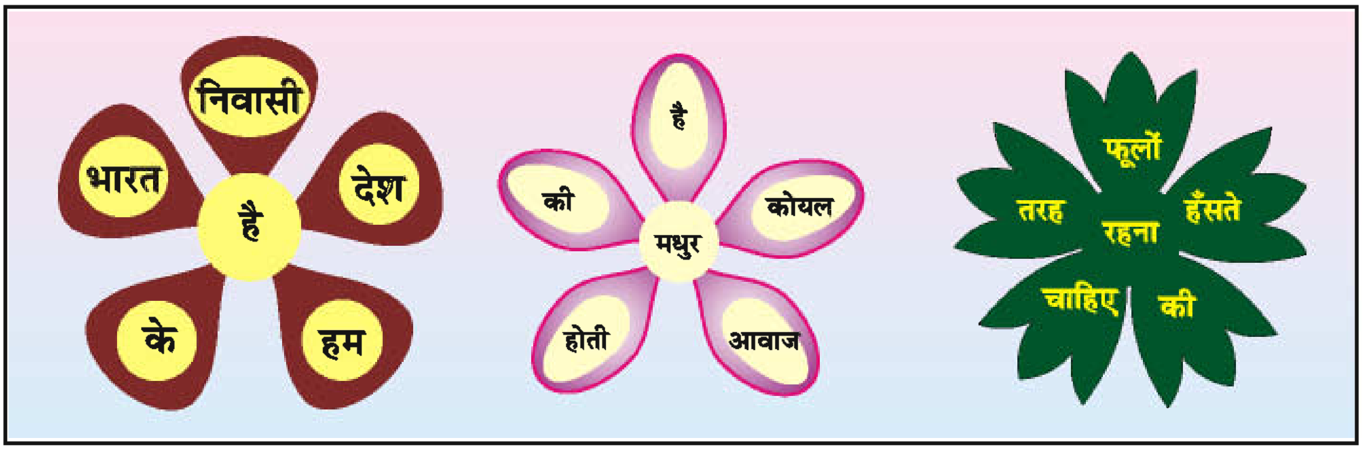

(ब) गोले में से शब्द चुनकर अर्थपूर्ण वाक्य बनाइए :

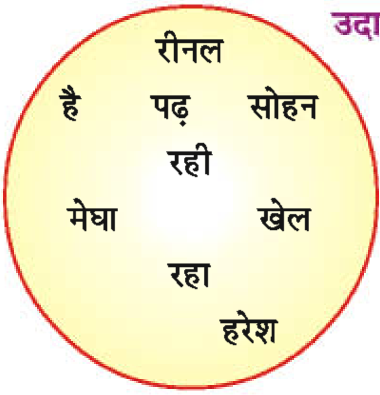

उदाहरण : (1) सोहन पढ़ रहा है।

3. काव्यपंक्तियों का भावार्थ समझाइए :

हिन्द देश के निवासी सभी जन एक हैं,

रंग, रूप, वेश, भाषा चाहे अनेक हैं।

4. ''औरत'' और ''लड़की'' के स्थान पर क्रमशः 'आदमी' और 'लड़का' रखकर परिच्छेद फिर से लिखिए :

एक मोटी औरत जा रही थी। पीछे-पीछे एक लड़की चल रही थी। लड़की छोटी और पतली थी। औरत को पता चला तो घूरकर बोली, - ''ए लड़की ! मेरे पीछे-पीछे क्यों चल रही है ?'' लड़की भोलेपन से बोली, ''मैं तो केवल छाँव के नीचे चल रही थी।''

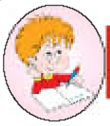

स्वाध्याय

1. प्रश्नों के उत्तर लिखिए : :

(1) हिन्दवासियों में कैसी विविधता पाई जाती है ?

(2) माला में कौन-कौन से फूल एकरूप हुए हैं ?

(3) कौन-कौन सी नदियाँ सागर में मिलती हैं ?

(4) नदियों से हमें क्या संदेश मिलता है ?

2. कोष्ठक में जो शब्द समानार्थी नहीं हैं उन पर घेरा ◯ कीजिए और समानार्थी शब्दों का वाक्य प्रयोग कीजिए।

1	2	3	4
पंथ	कुसुम	आम	जन
राह	पुष्प	अनूठा	मनुष्य
पैर	काँटा	निराला	मानव
रास्ता	फूल	अनोखा	स्त्री

भाषा सज्जता

प्रियंका : **मीना**, आज **तू** चुपचाप क्यों बैठी है ? मंदिर नहीं आना ?

मीना : नहीं **मेरा** मन नहीं लगता ।

प्रियंका : अरे हाँ, आजकल **तुम** बहुत खेल रही हो न ?

मीना : **मैं** क्रिकेटर बनना चाहती हूँ, पर **मुझे** खेलना रास नहीं आया।

प्रियंका : क्यों ?

मीना : कल **मैं** मुहल्ले में खेल रही थी तब गेंद ने सीमा मौसी के घर की खिड़की का काँच तोड़ दिया। **उन्होंने** माँ से शिकायत कर दी ।

प्रियंका : ओह ! अब समझी तेरी उदासी का राज़। खेलते समय दूसरों का भी ख्याल रखना चाहिए।

मीना : **आप** की बात बिलकुल सच्ची है। अब **मैं** ध्यान रखूँगी।

❋ **अब आप बताइए :**

1. उपर्युक्त संवाद में से व्यक्तिवाचक संज्ञा के शब्द छाँटकर लिखिए :

(1) ____________ (2) ____________ (3) ____________

2. इन व्यक्तिवाचक संज्ञा शब्दों के लिए जिन शब्दों का प्रयोग किया गया है, उनकी सूची बनाइए :

(1) 'प्रियंका' के लिए ➔ ____________

(2) 'मीना' के लिए ➔ ____________

(3) 'सीमा मौसी' के लिए ➔ ____________

3. नीचे दी गई परिभाषा को पूर्ण कीजिए :

➔ जो शब्द ____________ के स्थान पर प्रयुक्त होते हैं, उन्हें 'सर्वनाम' कहते हैं।

4. वाक्यों को पढ़िए और "बोलनेवाले", "सुननेवाले" और "अन्य व्यक्ति" को सूचित करनेवाल जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग किया गया है, उन्हें अलग छाँटकर ( ) में लिखिए :

(1) मुझे बल्लेबाजी में मज़ा आता है। ( )

(2) हम मैच जीत गए। ( )

(3) तुम अच्छे क्षेत्ररक्षक हो। ( )

(4) तुम्हारी गेंदबाजी का जवाब नहीं। ( )

(5) वह 'कैप्टन' है। ( )

(6) उसने एक लम्बा छक्का लगाया। ( )

5. **विधानों को पढ़िए और 'खुद के लिए' प्रयुक्त सर्वनाम शब्दों को छाँटकर ⬭ में लिखिए :**

(1) राजीव स्वयं अब बल्लेबाजी करने आया। ______

(2) मैं अपने आप चला जाऊँगा। ______

इतना जानिए

पुरुषवाचक सर्वनाम : जब हम बातचीत करते हैं तो कभी अपने बारे में, कभी श्रोता के बारे में तो कभी तीसरे व्यक्ति के बारे में बात करते हैं। अत: बातचीत करते समय हम तीन प्रकार के शब्दों का प्रयोग करते हैं।

उत्तम पुरुष : मैं, हम (मुझे, हमें...) आदि।

मध्यम पुरुष : तू, तुम, आप (तुझे, तुम्हें...) आदि।

अन्य पुरुष : वह, वे (उसे, उन्हें,...) आदि।

निजवाचक सर्वनाम : कुछ सर्वनाम शब्दों का प्रयोग **स्वयं** के लिए किया जाता है तथा जिनसे **निजत्व** या **अपनापन** का बोध होता है, उन्हें 'निजवाचक सर्वनाम' कहते हैं।

जैसे –
- मैं **स्वयं** चला जाऊँगा।
- वह **आप** ही चला गया।
- मैं **अपने आप** पढ़ लूँगा।
- वे **खुद** चले गए।

✱